(DHIND01)

ASSIGNMENT-1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018

(First Year)

HINDI

History of Hindi Literature

MAXIMUM MARKS:30

Answer ALL Questions

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Q1) हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन पर लेख लिखिए ।

Q2) आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

Q3) पृथ्वीराज रासो काव्य की प्रामाणिकता को स्पष्ट कीजिए ।

Q4) हिन्दी के रामभक्त कवि के रूप में 'तुलसीदास' का परिचय दीजिए ।

Q5) रीतिकाल के प्रतिनिधि कवियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

(DHIND01)

ASSIGNMENT-2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018

(First Year)

HINDI

History of Hindi Literature

MAXIMUM MARKS:30

Answer ALL Questions

Q1) हिन्दी गद्य के विकास में भारतेन्दु के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

Q2) छायावादी हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

Q3) हिन्दी कहानी (अथवा) उपन्यास के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए ।

Q4) मैथिली शरण गुप्त की कविताओं में व्यक्त राष्ट्रीय भावना के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

Q5) किन्हीं दो कवियों का परिचय दीजिए ।

अ) सूरदास ।

ब) अमीर खुसरो ।

क) घनानंद ।

ड) नागार्जुन ।

⊖⊖⊖

(DHIND02)

ASSIGNMENT-1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018

(First Year)

HINDI

Theory of Indian and Western Literature

MAXIMUM MARKS:30

Answer ALL Questions

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Q1) 'रस' का अर्थ बतलाते हुए भरत मुनि के रस सूत्र का परिचय दीजिए ।

Q2) ध्वनि क्या है? ध्वनि-संप्रदाय के इतिहास को स्पष्ट कीजिए ।

Q3) औचित्य संप्रदाय की मान्यताओं की विशिष्टता को स्पष्ट कीजिए ।

Q4) अलंकार' को परिभाषा देते हुए काव्य में उसके महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

Q5) साधारणीकरण की अवधारणा का शास्त्रीय परिचय दीजिए ।

(DHIND02)

ASSIGNMENT-2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018

(First Year)

HINDI

Theory of Indian and Western Literature

MAXIMUM MARKS:30

Answer ALL Questions

Q1) वक्रोक्ति की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए ।

Q2) प्लेटो के काव्य सिध्दांतों का परिचय दीजिए ।

Q3) अरस्तू के विरेचन सिध्दान्त की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए ।

Q4) साहित्य की समीक्षा के संदर्भ में मार्क्सवादी चिंतन के महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

Q5) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए ।

अ) आई.ए.रिचार्ड्स के काव्य-सिध्दांत ।

आ) महाकाव्य के लक्षण ।

इ) नाटक के तत्व ।

ई) जीवनी ।

⊖⊖⊖

(DHIND03)

ASSIGNMENT-1
M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018
(First Year)
HINDI
Old and Medieval Poetry
प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य

MAXIMUM MARKS:30

Answer ALL Questions

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Q1) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।

a) देख देख राधा का रूप अपार ।
अपुरब के बिहि आन मिल ओल खितितल लावनिसार ।।
अंगहि अंग अनंग मुरछायत हेरए पडए अयीर ।
मनमय कोटि मयन करू जे मन से हेरि महि मधि गीर ।।
कत-कत लखिमी चरन तल ने ओछए, रैगिरि हेरि बिभोरि ।
करू अभिलाख मनहि पदपंकज अहोनिसि कोर अगोरि ।।

b) सतगुरू ऐसा चाहिए जैसा सिकलीगर होइ ।
सबद मसकला फेरि करि द्रपन करे कोई ।।

c) कहिए नंद कठोर भए । हम दोउ बीरें डारि पर धरैं मानों थाति सौंपी गए ।
तनक तनक तैं पलि बडे किए बदुतै सुख दिखराए ।
गौचारन को चलत हमारे पाछे कोसक धाए ।।
ये बसुदेव देबकी हमसों कहत आपने जाए ।
बहुरि विधाता जसुमतिज के हमहिं न गोद खिला ।।
कौन काज यह राज, नगर को सन सुख सों सुख पाए?
सूरदास व्रज समाधान करू आज काल्हि हम आए ।।

d) कबि कोबिंद अस हृदयँ बिचारी । गावहिं हरिजस कलिमलहारी ।।
कीन्हें प्राकृत जन गुन गाना । सिर धुनि गिरा लगत पछिताना ।।
हृदय सिंधु मति सीप समाना । स्वाति सारदा कहहिं सुजाना ।।
जौं बरषइ बर बारि बिचारू । होहिं कबित मुकुतामनि चारू ।।

e) सोधि जुगति कौ कंत कियो तब चित्त यहौं दिस ।

लनयौ विप्र गुरू बोल कहो समुझाय तात तस ।।

नर नरिंद नरपति वडे गढ़ द्रुग असेसह ।

सीलवन्त कुल सुद्ध, देहु कन्या सुनरेसह ।

तब चलन देहु दुज्जह लगन, सगुन बन्द हिय अप्प तन ।

आनंद उच्छाह समुदह सिखर, बजत नद्द नीसाँन धन ।।

f) प्रिय प्रयिराज नरेस, जोग लिषि कग्गर दिन्नौ ।

लगुन बरग रचि सरब, दिन द्वादस ससि लिन्नौ ।।

सै अरू ग्यारह तीस, साष संवत परमानह ।

जोषित्री कुल सुद्ध वरन वर रष्षहु प्रानह ।।

दिष्षतं दिष्ट उच्चरिय वर, इक पलक बिलंब न करिय ।

अलगार रयन दिन पंच महि, ज्यों रूकमिनि कन्हर वरिय ।।

g) बर जीते सर मैन के, ऐसे जीते मैंन ।

हरिनी के नैनानु तैं हरि नीके ए नैन ।।

h) पूरन प्रेम को मंत्र पहापन, जा मधि सोधि सुधार है लेख्यौ ।

ताहि के चारू-चरित्र विचित्रनि थौं पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ ।

ऐसो हियो-हित-पत्र पवित्र जु आन कया न कहूँ अवरेख्यौ ।

सो धन आनंद जान अजान लौ टूक कियो पर बाँचि न देख्यौ ।।

Q2) पृथ्वीराज रासो के 'पद्मावती समय' की कथावस्तु को स्पष्ट कीजिए ।

Q3) विद्यापति की भक्ति-पद्धति का विवेचन कीजिए ।

Q4) कबीर के रहस्यवाद पर लेख लिखिए ।

Q5) जायसी की प्रेम-भावना की समीक्षा कीजिए ।

(DHIND03)

ASSIGNMENT-2
M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018
(First Year)
HINDI
Old and Medieval Poetry
प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य

MAXIMUM MARKS:30

Answer ALL Questions

Q1) कृष्ण भक्त कवि के रूप में सूरदास का परिचय दीजिए ।

Q2) रामचरितमानस के बालकाण्ड की विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

Q3) श्रृंगार रस के वर्णन में बिहारी अद्वितीय कवि हैं – विचार कीजिए ।

Q4) धनानंद के काव्य के कला–पक्ष पर प्रकाश डालिए ।

Q5) रीतिकालीन कविता की मुख्य प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए ।

⊖⊖⊖

(DHIND04)

ASSIGNMENT-1
M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018
(First Year)
HINDI
Hindi Prose-Drama, Novel, Stories and Essay

हिन्दी गद्य, नाटक, उपन्यास, कहानी और निबंध

MAXIMUM MARKS:30

Answer ALL Questions

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Q1) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।

i) इसको चाहे क्वारी रखिएगा, चाहे विष देकर मार डालिएगा,
पर कुपात्र के गले न मढ़िएगा ।

b) जीवन तुम से ज्यादा असार भी दुनिया में कोई वस्तु है? क्या यह उस दीपक की भाँति ही क्षण-भंगुर नहीं है, जो हवा के एक झोकें से बुझ जाता है । पानी के एक बुलबुले को देखते हो, लेकिन उसे टूटते भी कुछ देर लगती है, जीवन में उतना सार भी नहीं ।

c) जीवन एक प्रश्न है, और मरण है उसका अटल प्रश्न,

d) राज्य किसी का नहीं है । सुशासन का है । जन्म भूमि के भक्तों में आज जागरण है । देखते नहीं, प्राच्य में सूर्योदय हुआ है ।

e) आनंदपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कण्ठा में ही उत्साह का दर्शन होता है, केवल कष्ट सहने के निश्चेष्ट साहस में नहीं । धृति और साहस दोनों का उत्साह के बीच संचरण होता है ।

f) श्रद्धा न्याय वृद्धि के पलड़े पर तुली हुई एक वस्तु है, जो दूसरे पलड़े पर रखे हुए श्रद्धेय के गुण, कर्म आदि के हिसाब से होती है ।

g) बेटा, बडप्पन बाहर की वस्तु नहीं .... बड़प्पन तो मन का होना चाहिए और फिर बेटा, घृणा को घृणा से नही मिटाया जा सकता । वह तभी पृथक होना चाहेगी जब उसे घृणा के बदले घृणा दी जाएगी लेकिन यदि घृणा के बदले उसे स्नेह मिले तो उसकी समस्त घृणा धुँधली पड़कर अवश्य लुप्त हो जायेगी ।

h) मानव जो जीवन का श्रेष्ठतम रूप है, जीवन के अन्य रूपों के प्रति इतनी वितृष्णा और विरक्ति और मृत्यु के प्रति इतना मोह और इतना आकर्षण क्यों?

Q2) 'निर्मला' उपन्यास में प्रतिपादित समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

Q3) 'निर्मला' के चरित्र-चित्रण पर प्रकाश डालिए ।

Q4) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबंध-कला का परिचय दीजिए ।

Q5) 'चन्द्रगुप्त' की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(DHIND04)

ASSIGNMENT-2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018

(First Year)

HINDI

Hindi Prose-Drama, Novel, Stories and Essay

हिन्दी गद्य, नाटक, उपन्यास, कहानी और निबंध

MAXIMUM MARKS:30

Answer ALL Questions

Q1) 'चन्द्रगुप्त' नाटक का तात्विक विश्लेषण कीजिए ।

Q2) 'अपना-पराया' कहानी की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

Q3) एकांकी के तत्वों के आधार पर 'सूखीडाली'

'रीढ़ की हड्डी' का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए ।

Q4) 'सोना' रेखाचित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

Q5) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए ।

अ) श्रद्धा-भक्ति ।

आ) सिकंदर ।

इ) बेला ।

ई) तोताराम ।

⊖⊖⊖

(DIND05)

ASSIGNMENT-1
M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018
(First Year)
HINDI
Modern Poetry
आधुनिक कविता

MAXIMUM MARKS:30

Answer ALL Questions

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।

शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Q1) निम्न लिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ।

a) गगन मण्डल में रज छा गई ।
दश-दिशा बहु-शब्दमयी हुई ।
विशद-गोकुल के प्रति-गेह में ।
वह चला वर-स्त्रोत विनोद का ।।

b) कुसुम कानन अंचल में मंद
पवन प्रेरित सौरभ साकार
रचित-परमाणु-पराग-शरीर खडा हो,
ले मधु का आधार ।

c) जानकी ! हाय, उद्धार प्रिया का हो न सका ।

वह एक और मन रहा राम का जो न यका ।
जो नहीं जानता दैन्य, नहीं जानता विनय
कर गया भेद वह माया वरण प्राप्त कर जथ ।

d) सैकत-शय्या पर दुग्ध-धवल,
तत्वंगी गंगा, ग्रीष्म-विरल,
लेटी है श्वान्त; कलान्त, निश्चल!

तापस-वाला गंगा निर्मल, शशि मुख से
दीपित मृदु-करतल,
लहरे उर पर कोमल कुन्तल ।

e) तारकमय नव वेणीबन्धन,
शीश-फुल कर शशि का नूतन,
रश्मि-वलय सित घन-अव गुंठन ।

f) धराधर को हिला गूँजा धरणि में राग का कोई,
तलातल से उभरती आ रही है आग कोई ।

g) कब्र-कब्र में अबुध बालकों की भूखी हड्डी रोती है;
"दूध,दूध!'' की कदम-कदम पर सारी रात सदा होती है ।
"दुध, दुध! '' ओ वत्स! मंदिरों में बहरे पाषाण यहाँ है;
"दूध-दूध'' तारे, बोलो, इन बच्चों के भगवान कहाँ हैं ?

h) प्रहरी थे हम केवल
सत्रह दिनों के लौम हर्षक संग्राम में
भालें हमारे थे
ढ़ालें हमारी थीं
निरर्थक पडी रहीं
अंगों पर बोझ बनी रहीं
... संस्कृती थी यह एक बूढ़े और अंधे की
और जिसकी सन्तानों ने महायुद्ध घोषित किया ।

Q2) 'प्रियप्रवास' के प्रथम सर्ग की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

Q3) 'कामायनी' के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए ।

Q4) 'राम की शक्ति पूजा' के कथानक को स्पष्ट कीजिए ।

Q5) 'दृत झरों' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(DIND05)

ASSIGNMENT-2
M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY - 2018
(First Year)
HINDI
Modern Poetry
आधुनिक कविता

MAXIMUM MARKS:30
Answer ALL Questions

Q1) पठित कविताओं को आधार मानकर महादेवीवर्मा की वेदना के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

Q2) 'हुँकार' में व्यक्त दिनकर की प्रगतिवादी चेतना पर विचार कीजिए ।

Q3) 'अंधायुग' में चित्रित युद्ध और शांति की समस्या पर लेख लिखिए ।

Q4) 'असाध्यवीणा' का सारांश लिखिए ।

Q5) किन्हीं दो विषय पर टिप्पणी लिखिए ।

उ) 'राम की शक्ति पूजा' मे चित्रित हनुमान का चरित्र ।

आ) 'कामायनी' में रूपक तत्व

ऊ) 'विरह का जलजात जीवन' ।

ई) नौका विहार ।

ए) 'श्रध्दा' का चरित्र-चित्रण ।

⊖⊖⊖